

---

## **TS Krama Paatam – TS 1.3 Sanskrit Corrections – Observed till 31st March 2020**

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
T.S.1.3.1.2 - Kramam Krama Vaakyam No. 1 Panchaati No. 2	यवयारातीः । — — — — —	यवयारातीः । — — — — —
T.S.1.3.2.2 - Kramam Krama Vaakyam No. 27 Panchaati No. 4	अव स्तृणामि । सृणामि वैष्णवान् । — — — — —	अव स्तृणामि । स्तृणामि वैष्णवान् — — — — —
T.S.1.3.4.1 - Kramam Krama Vaakyam No. 37 Panchaati No. 6	उरु विष्णोः । विष्णो वि । — — — — —	उरु विष्णो । विष्णो वि । — — — — —
T.S.1.3.4.2 - Kramam Krama Vaakyam No. 35 Panchaati No. 7	मनुष्यो मनुष्यान् । — — — — — मनुष्यान् सह । — — — — —	मनुष्यो मनुष्यान् । — — — — — मनुष्यान् सह । — — — — —

T.S.1.3.9.2 - Kramam Krama Vaakyam No. 13 Panchaati No. 17	<p>स्व॒धि॒ते॒ मा ।</p> <p>स्व॒धि॒त॒ इति॒ स्व – धि॒ते ।</p>	<p>स्व॒धि॒ते॒ मा ।</p> <p>स्व॒धि॒त॒ इति॒ स्व – धि॒ते ।</p>
--	--	--

### **TS Krama Paatam – TS 1.3 Sanskrit Corrections –Observed till 31st May 2019**

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
1.3.8.1 – Kramam Panchati 14	<p>य॒ज्ञ॒प॒ति॒मि॒ति॒ य॒ज्ञ – प॒ति॒म् ।</p> <p>प्रि॒य॒धा॒वि॒श॒त॒ ।</p> <p>प्रि॒य॒धे॒ति॒ प्रि॒य – धा॒ ।</p>	<p>य॒ज्ञ॒प॒ति॒मि॒ति॒ य॒ज्ञ – प॒ति॒म् ।</p> <p>प्रि॒य॒धाऽऽवि॒श॒त॒ ।</p> <p>प्रि॒य॒धे॒ति॒ प्रि॒य – धा॒ ।</p> <p>(tri kramam indicated through avagraha for 'A')</p>